

15 1/26

परापत्नी पेशा डव / अधिकारता उपाधिकृत हो
 वारीजा की ओर से अधिकारता काररपु
 मो एमडु द्वारा अधिकारता का वाकत विद्दे
 वारिवाही का उत्तुत कर विवेदन किया
 कि वारीजा उक्त उतमान उतरण में
 अपनी ओर से आगे अन्य वारिवाही
 नहीं कराना चाहती हूँ बाद पक्ष को
 इसी स्तर पर विद्दे कर वारिवाही
 बन्द कराना चाहती हूँ। वारीजा को
 उक्त उतमान उतरण को अधिकार में पुन
 पेश करने कि अधिकार को सुरक्षित
 रखते हुये विद्दे की अनुमति दिलायी
 जाकर उतरण की वारिवाही इसी स्तर
 पर बन्द करायी जाकर उतरण को
 वारीजा परमाप्त जाते का विवेक
 किया।

वारीजा अधिकारता को उतरण पर
 पुनर्जाता पनापत्नी का अधिकार
 किया जाकर वारीजा द्वारा उतरण में
 आगे वारिवाही नहीं करने से
 उतरण को अधिकार में पुन पेश करने
 कि अधिकार को सुरक्षित रखते हुये
 उतरण को विद्दे किया जाना उचित है।

अतः वारीजा की ओर से उत्तुत
 उतरण विद्दे वारिवाही का स्वीकार
 किया जाकर वारीजा उतरण में आगे
 कोई वारिवाही नहीं कराने एवं वारीजा
 को उक्त उतमान उतरण में पुन
 पेश करने कि अधिकार को सुरक्षित
 रखते हुये उतरण में इसी स्तर पर
 आगे की वारिवाही बन्द की जाकर
 उतरण परमाप्त किया जाता है। पनापत्नी
 प्रोक्त सुफा को नमयव ले उत ले।

सहायक कलक्टर
 (एस.डी.ओ.) कापूर